

95 वां वर्ष सेवा का
th year of service

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT

2005-06

आपकी आवश्यकताओं
को समझने की योग्यता

The ability to
UNDERSTAND
your needs

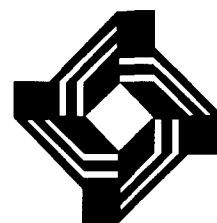
आपकी समस्याओं के
समाधान के लिए दृष्टिकोण

The vision to
CONNECT
you to solutions

परिणाम प्राप्त करने
हेतु प्रतिबद्धता

The commitment to
ACHIEVE
results

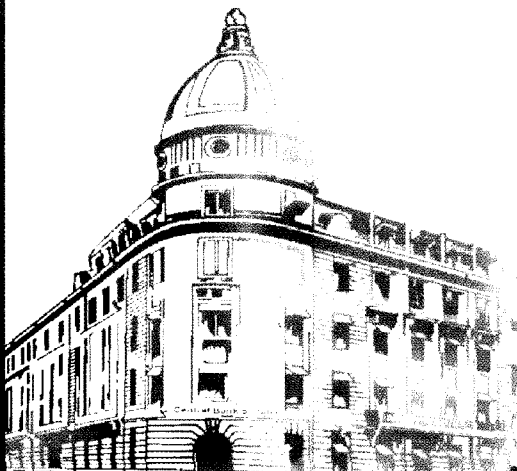
REPORTJUNCTION.COM



सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
(भारत सरकार का एक उपक्रम)

Central Bank of India

(A Govt. of India Undertaking) www.reportjunction.com



लीडर की क्या पहचान होती है?

क्या इनमें नए मानक तय करने और फिर उन्हें तोड़ देने की क्षमता है?

क्या इनमें भविष्य को देख लेने और वर्तमान में उसे रचने की दूरदृष्टि है?

क्या इनमें और ज्यादा कार्य करने, और आगे जाने का जोश है?

मानक चाहे जो भी हों, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की अग्रगामी भावना हमेशा समय की परीक्षा में खरी उतरी है.

पिछले 95 वर्षों के दौरान, उत्कृष्टता कभी भी हमारी मंजिल नहीं रही है। तथापि ये तो एक यात्रा है – और बेहतर काम करने, तथा हरेक के अनुकूल बैंकिंग समाधानों के साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना, और ऐसा करते हुए, लोगों के जीवन में खुशी लाना.

उत्कृष्टता का हमारा मंत्र? वह नहीं जो हम करते हैं... बल्कि यह कि हम कितने बेहतरीन ढंग से इसे करते हैं!

What marks a leader?

Is it the ability to set standards and break them?

Is it the foresight to see the future and create it in the present?

Is it the zeal to do more, and go beyond?

Whatever be the parameters, Central Bank of India's pioneering spirit has always stood the test of time.

Over the last 95 years, excellence has never been the destination. Rather, it is a journey - to do better, and reach out to more and more people with tailormade banking solutions. And in doing so, add happiness to lives.

Our mantra of excellence? It's not what we do... it's how well we do it!

कार्पोरेट अभिदृष्टि

“माननीय, वित्तीय और तकनीकी संसाधनों तथा प्रभावी जोखिम प्रबंधन पद्धतियों के निरन्तर समन्वयन द्वारा एक मजबूत, गतिशील और क्रियाशील बैंक/वित्तीय सुपर मार्केट के रूप में उभरना और अर्थव्यवस्था की नई आवश्यकताओं की पूर्ति में सकारात्मक योगदान देना.”

Corporate Vision

"To emerge as a strong, vibrant and pro-active Bank/Financial Super Market and to positively contribute to the emerging needs of the economy through consistent harmonization of human, financial and technological resources and effective risk control systems."

9%

जमाओं में वृद्धि
Growth in Deposits

35%

अग्रिमों में वृद्धि
Growth in Advances

18%

कुल व्यवसाय में वृद्धि
Growth in Total Business

18%

शुद्ध मालियत में वृद्धि
Growth in Network

विषय सूची / Contents

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	2
निदेशक मंडल / Board of Directors	4
बोर्ड की समिति / Committees of the Board	7
शीर्ष प्रबंधन टीम / Top Management Team	8
महाप्रबंधकगण / उप महाप्रबंधकगण General Managers/Deputy General Managers	9
निष्पादन की खास बातें / Performance Highlights	12
उल्लेखनीय पल / In the limelight	14
निदेशकों की रिपोर्ट	17
31 मार्च, 2006 का तुलन पत्र	31
31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष हेतु लाभ एवं हानि खाता	33
तुलन पत्र की अनुसूचियां	34
लाभ एवं हानि खाते की अनुसूचियां	38
मुख्य लेखागत नीतियां	39
लेखों से संबंधित टिप्पणियां	42
31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण	51
भारत के राष्ट्रपति को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	53
31 मार्च, 2006 का समेकित तुलन पत्र	54
सेन्ट बैंक होम फाइनेंस लि.	77
सेन्ट बैंक फाइनेंशियल एंड कस्टोडियल सर्विसेज लि.	102
Message from the Chairperson & Managing Director	121
Directors' Report	124
Balance Sheet as at 31st March, 2006	140
Profit & Loss Account for the year ended 31st March, 2006	142
Schedules to Balance Sheet	143
Schedules to Profit & Loss Account	147
Principal Accounting Policies	148
Notes forming part of the Accounts	151
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2006	160
Auditors' Report to the President of India	161
Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2006	162
Centbank Home Finance Ltd.	180
Centbank Financial & Custodial Services Ltd.	205

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश



“भविष्य में, वित्तीय क्षेत्र विशेषकर बैंकिंग क्षेत्र को भारत की प्रगति सम्बंधी संभावनाओं को पूर्णरूपेण साकार करने के लिए एक निर्णायक भूमिका निभानी होगी . . . हमें इस बात पर जोर देना होगा कि वित्तीय समावेशन के माध्यम से हम बैंकिंग सेवाओं को सामान्य जन तक ले जाएं”

31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के वार्षिक परिणामों को प्रस्तुत करते समय मुझे अपार हर्ष हो रहा है. हमारी लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कई बाहरी कारकों के बावजूद बैंक का कार्य-प्रदर्शन संतोषजनक रहा है. अपने गौरवशाली अतीत के साथ हमारा बैंक कई कठिन परिस्थितियों से उबरते हुए समय के साथ सुदृढ़ हुआ है तथा उसने ख्याति अर्जित की है. व्यापक शाखा नेटवर्क तथा भिन्न-भिन्न ग्राहकों के समूह के माध्यम से इसने अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं को पूरा किया है तथा वित्तीय क्षेत्र में एक अहम भूमिका निभाई है. उपेक्षित क्षेत्रों के उत्थान के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता तथा ग्रामीण

क्षेत्रों में इसके रचनात्मक प्रयासों को भारत सरकार तथा विनियामकों द्वारा सराहा गया है. बैंक ने देश की आर्थिक प्रगति तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अपना योगदान दिया है, यह वचनपूर्ति का अहसास दिलाता है.

भविष्य में, वित्तीय क्षेत्र विशेषकर बैंकिंग क्षेत्र को भारत की प्रगति सम्बंधी संभावनाओं को पूर्णरूपेण साकार करने के लिए एक निर्णायक भूमिका निभानी होगी. इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेषकर निम्न आय समूह के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों के गरीबों तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता है. यह

सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि बैंकों को अधिकतम प्रयास द्वारा उपेक्षित गरीब लोगों को अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा में लाते हुए उनकी उत्पादकता का उपयोग करना चाहिए, ताकि देश की प्रगति में बढ़ी हुई जनसंख्या का योगदान मिले. अतः हमें इस बात पर जोर देना होगा कि वित्तीय समावेशन के माध्यम से हम बैंकिंग सेवाओं को सामान्य जन तक ले जाएं.

वर्ष 2005-06 के दौरान बैंक की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्नानुसार हैं :

- हमारे निवेश पोर्टफोलियो पर बढ़े हुए मूल्यहास के परिणामस्वरूप उच्चतर प्रावधान के बावजूद बैंक ने रु.257 करोड़ लाभ दर्ज किया.
- पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बैंक के कुल व्यवसाय में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण ऋण में हुई 34.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है.
- जमायें रु.60,752 करोड़ [2005] से बढ़कर रु.66,483 करोड़ (2006) हो गयीं, जो रु.5,731 करोड़ (9.43%) की वृद्धि दर्शाता है.
- सकल अग्रिम रु.29,085 करोड़ [2005] से बढ़कर रु.39,195 करोड़ (2006) हो गये, जो रु. 10,110 करोड़ 34.76% की वृद्धि दर्शाता है.
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.15% (2005) से घटकर 11.03% (2006) हो गया, जो अग्रिम में रु.10,110 करोड़ की वृद्धि के परिणामस्वरूप आस्तियों की जोखिम भारिता में हुई वृद्धि के कारण है. साथ ही, एचटीएम (परिपक्वता तक धारित) तथा एएफएस (बिक्री के लिए उपलब्ध), दोनों ही श्रेणी में निवेशों के लिए बाजार जोखिम पर पूंजी प्रभार सम्बंधी भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन की वजह से अतिरिक्त पूंजी की अनिवार्यता हुई.

- शुद्ध मालियत (नेटवर्थ) रु.2,495 करोड़ [2005] से बढ़कर रु.2,932 करोड़ हो गया, जो 17.51% की वृद्धि दर्शाता है.
- सकल एनपीए का प्रतिशत 9.01% [2005] से घटकर 6.85% (2006) हो गया.
- शुद्ध एनपीए का प्रतिशत 2.98% [2005] से घटकर 2.59% (2006) हो गया.
- प्रति कर्मचारी व्यवसाय रु.206.89 लाख [2005] से बढ़कर रु.240.46 लाख [2006] हो गया.
- बैंक ने कृषि तथा सम्बद्ध गतिविधियों में ऋण वितरण की प्रमात्रा बढ़ाने को प्राथमिकता दी है. महिला हितग्राहियों के वित्तपोषण पर अधिक ध्यान दिया गया.
- समेकित जोखिम प्रबंधन, जिसमें ऋण जोखिम, बाजार जोखिम तथा परिचालन जोखिम शामिल हैं, को स्थिर रखने हेतु संगठित प्रयास किए गए.
- बैसल II की अनिवार्यताओं को पर्याप्त ढंग से पूरा करने के लिए बैंक द्वारा विभिन्न कदम उठाये गए.
- बैंकिंग -परिचालनों के सभी क्षेत्रों में अच्छे कॉर्पोरेट गवर्नंस को पर्याप्त महत्त्व दिया गया.

हम वर्तमान वर्ष में बैंक के कार्य-प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे.

सन्नेह,

21.11.06

(एच. ए. दारुवाला)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई

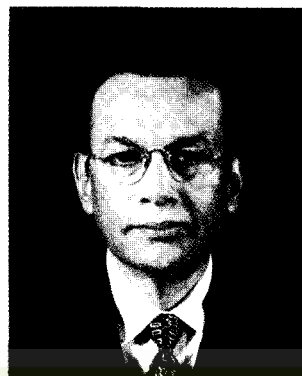
दिनांक : 10 मई, 2006



निदेशक मण्डल *Board of Directors*



सुश्री एच. ए. दारुवाला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Ms. H. A. Daruwalla
Chairperson & Managing Director



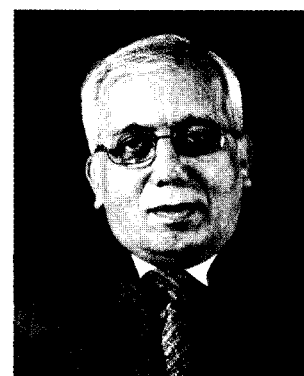
श्री के. सुब्बरामन
कार्यपालक निदेशक
Shri K. Subbaraman
Executive Director



श्री पी.पी. मित्रा
Shri P.P. Mitra



श्री के.सी. महापात्र
Shri K.C. Mohapatra



श्री कमाल फारुकी
Shri Kamal Faruqui



मेजर (सेवानिवृत्त) वेद प्रकाश
Major (Retd.) Ved Prakash



श्रीमती सत्या बहिन
Smt. Satya Bahin



श्री हरीश चण्डोक
Shri Harish Chandhok



श्री रोमेश सभरवाल
Shri Romesh Sabharwal



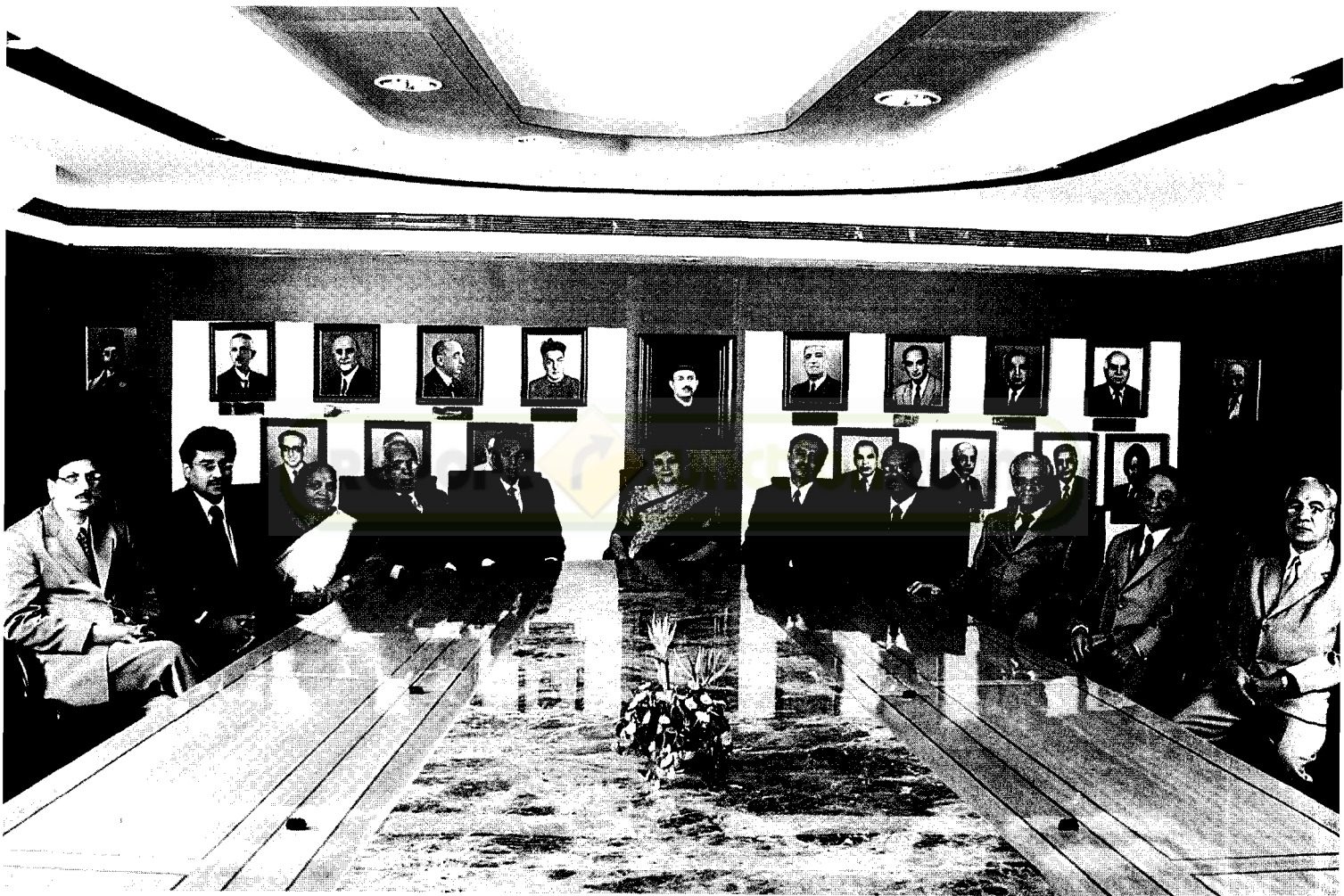
श्री आर.सी. अग्रवाल
Shri R.C. Agarwal



श्री सी.एम. पुरी
Shri C.M. Puri



निदेशक मण्डल Board of Directors



दायें से बायें

श्री सी.एम. पुरी, श्री रोमेश सभरवाल, श्रीमती सत्या बहिन, श्री कमाल फारुकी, श्री के सुब्बरामन, सुश्री एच.ए. दारुवाला, श्री पी.पी.मित्रा, श्री के.सी.महापात्र, मेजर (सेवानिवृत्त) वेद प्रकाश, श्री हरीश चण्डोक और श्री आर.सी. अग्रवाल

From Left to Right:

Shri C.M. Puri, Shri Romesh Sabharwal, Smt. Satya Bahin, Shri Kamal Faruqui, Shri K. Subbaraman, Ms. H.A. Daruwalla, Shri P.P. Mitra, Shri K.C. Mohapatra, Major (Rtd.) Ved Prakash, Shri Harish Chandhok and Shri R.C. Agarwal.

बोर्ड की समिति Committees of the Board



बोर्ड-प्रबंधन समिति

बायें से दायें : श्री कमाल फारुकी, श्री के.सुब्बरामन, सुश्री एच.ए.दारुवाला, श्री पी.पी.मित्रा, श्री के.सी.महापात्र एवं मेजर (सेवानिवृत्त) वेद प्रकाश ।

Management Committee of the Board

From Left to Right : Shri Kamal Faruqui, Shri K. Subbaraman, Ms. H.A. Daruwalla, Shri P.P Mitra, Shri K.C. Mohapatra and Major (Rtd.) Ved Prakash.



बड़ी राशि की धोखाधड़ी पर निगरानी समिति

बायें से दायें : मेजर (सेवानिवृत्त) वेद प्रकाश, श्री के.सुब्बरामन, सुश्री एच.ए.दारुवाला, श्री पी.पी.मित्रा, श्री हरीश चण्डोक ।

Committee for Monitoring of large value frauds

From Left to Right : Major (Retd.) Ved Prakash, Shri K. Subbaraman, Ms. H.A. Daruwalla, Shri P.P. Mitra, Shri Harish Chandhok.



शीर्ष प्रबंधतन्त्र टीम Top Management Team



दायें से बायें बैठे:

सुश्री एच.ए. दारुवाला, श्री के. सुब्बaraman

बायें से दायें खड़े:

श्री एस.आर.शुक्ला, श्री एस.एस.सुरेश, श्री एस.आर. कृष्णन, श्री आर.एस. कृष्णन, श्री जी.गुप्ता, श्री एस.जी.नाडगोंडे, श्री एम.आर.मल्लया, श्री ए.घोष, श्री आर.के. कालिया, श्री जी.पी.चिटणीस, श्री के.के.गुप्ता, श्री बोरेंद्र सिंह, श्री एस.के.सिंह, श्री आर. पी.शर्मा, श्री एस.के.गुप्ता

Sitting from Right to Left:

Ms. H.A. Daruwalla, Shri K. Subbaraman

Standing from Left to Right:

Shri S.R. Shukla, Shri S.S. Suresh, Shri S.R. Krishnan, Shri R.S. Krishnan, Shri G. Gupta, Shri S.G. Nadgonde, Shri M.R. Mallya, Shri A. Ghosh, Shri R.K. Kalia, Shri G.P. Chitnis, Shri K.K. Gupta, Shri Birendra Singh, Shri S.K. Singh, Shri R.P. Sharma, Shri S.K. Gupta.